Second Semester Examination : APRIL - 2024

Hindi Composite (Second or Third Language) (H)

Time : 2 Hours | **Std. IX** | **Max. Marks : 40**

सूचनाएँ : 1. शुध्द, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।
2. सभी आकृतियों के लिए पेन का ही उपयोग करें।
3. सूचना के अनुसार गदय, पदय की आकलन कृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
4. रचना विभाव तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए, प्रश्नों के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।

विभाग 1 : गद्य

1. (क) : निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। (06)

सागर – भाई अपने क्रोध को शांत करो । क्रोध में बात बिगड़ती है क्योंकि क्रोध हमें विवेकहीन बना देता है ।
मेघ – (थोड़ा शांत होते हुए) हाँ, यह बात तो सच है । हम दोनों ने अपने-अपने क्रोध को शांत कर लेना चाहिए ।
सागर – तो आओ हम मिलकर जनकल्याण के विषय में थोड़ा विचार विमर्श कर लें ।
मेघ – हाँ ! मनुष्य हम दोनों पर बहुत निर्भर हैं । प्रतिवर्षकिसान बड़ी आतुरता से मेरी प्रतीक्षा करते हैं ।
सागर – मेरे क्षार से मनुष्य को नमक प्राप्त होता है जिससे उसका भोजन स्वादिष्ट बनता है ।
मेघ – सागर भाई हमें कभी आपस में उलझना नहीं चाहिए ।
सागर – आओ प्रतिज्ञा करते हैं कि हम अब कभी घमंड में एक दूसरे को अपमानित नहीं करेंगे बल्कि मिलकर जनकल्याण के लिए कार्य करेंगे ।
मेघ – मैं नदियों को भर-भर तुम तक भेजूँगा ।
सागर – मैं सहर्ष उन्हें उपकार सहित ग्रहण करूँगा ।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए :

(i) [ ] — [परिच्छेद में आप दोन पात्र] — [ ] (2)

(ii) [भोजन स्वादिष्ट बनता है।] → [ ]

(2) (i) निम्नलिखित शब्दों के लिए गदयांश में से पर्यायवाची शब्द ढूँढकर लिखिए। (1)

(अ) गुस्सा - [ ] (ब) कृषक - [ ]

(ii) उत्तर लिखिए। (1)

प्रतिवर्ष किसान वड़ी आतुरता से इसकी प्रतीक्षा करते है - [ ]

(3) 'क्रोध हमें वुद्धीभ्रष्ट वना देता है' इसके वारे में सोदाहरण अपने विचार लिखिए। (2)

(आ) ः निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। (06)

डॉ. धीरेंद्र वर्मा अपनी डायरी में १९/११/१९२१ के दिन लिखते हैं-''राष्ट्रीय आंदोलन में भाग न लेने के कारण मेरे हृदय में कभी-कभी भारी संग्राम होने लगता है । जब हम पढ़े-लिखे व समझदार लोगों ने ही कायरता दिखाई है तब औरों से क्या आशा की जा सकती है । सच तो यह है कि भले घरों के पढ़े-लिखे लोगों ने बहुत ही कायरता दिखाई हैं ।''

अपने जीवन की सच्ची, निष्काय, पारदर्शी छवि को रखने में डायरी साहित्य का उत्कृष्ट माध्यम है । डायरी जीवन का अंतर्दर्शन है । अंतरंगता के अभाव में डायरी, डायरीकार की निजी भावनाओं, विचारों एवं प्रतिक्रियाओं के द्वारा अंकित उसके अपने जीवन एवं परिवेश का दस्तावेज है । एक अच्छी, सच्ची एवं सादगीयुक्त डायरी के लिए डायरीकार का सच्चा, साहसी एवं ईमानदार होना आवश्यक है । डायरी अपनी रचना प्रक्रिया में मनुष्य के जीवन में जहाँ आंतरिक अनुशासन बनाए रखती है, वहीं मनौवैज्ञानिक संतुलन बनाने का भी कार्य करती है ।

(1) आकृति पूर्ण कीजिए ः (2)

(i) पढ़े-लिखे व समझदार लोगों ने ही दिखाई है। → [ ]

(ii) डायरी कार का होना आवश्यक है।

[ ] [साहसी] [ ]

(2) परिच्छेद में से ढूँढकर लिखिए। (2)

(i) दो प्रत्ययुक्त शब्द - (1) [ ] (2) [ ]

(ii) दो शब्दयुग्म - (1) [ ] (2) [ ]

(3) "डायरी लेखन के लाभ' इसके बारे में अपने विचार लिखिए। (2)

विभाग 2 ः पद्य

2. (अ) ः निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। (04)

वो खुद ही जान जाते हैं बुलंदी आसमानों की
परिंदों को नहीं तालीम दी जाती उड़ानों की
जो दिल में हौसला हो तो कोई मंजिल नहीं मुश्किल
बहुत कमजोर दिल ही बात करते हैं थकानों की
जिन्हें है सिर्फ मरना ही, वो बेशक खुदकुशी कर लें
कमी कोई नहीं वर्ना है जीने के बहानों की
महकना और महकाना है केवल काम खुशबू का
कभी खुशबू नहीं मोहताज होती कद्रदानों की
हमें हर हाल में तूफान से महफूज रखती हैं
छतें मजबूत होती हैं उम्मीदों के मकानों की

(1) एक दो शब्दों में उत्तर लिखिए। (2)

(i) वो खुद ही आसमानों की यह जान जाते हैं - .....

(ii) अगर दिल में यह हो तो कोई मंजिल मुश्किल नहीं है - .....

(iii) इसका काम केवल महकना और महकाना है - .....

(iv) इनके मकानों की छतें मजवूत होती है - .....

(2) प्रस्तुतए पद्यांश की अंतिम दो पँक्तियों का सरल अर्थ लिखिए। (2)

(आ) : निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए। (04)

केसरिया बल भरने वाला, सादा है सच्चाई,
हरा रंग है हरी हमारी, धरती की अंगड़ाई ।
और चक्र कहता कि हमारा, कदम कभी न रुकेगा ।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।
शान हमारी ये झंडा है, ये अरमान हमारा,
ये बल पौरुष है सदियों का, ये बलिदान हमारा ।
जीवन-दीप बनेगा, ये अंधियारा दूर करेगा ।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।
आसमान में लहराए ये, बादल में लहराए,
जहाँ-जहाँ जाए ये झंडा, ये (बात, संदेश, संवाद) सुनाए ।
है आज हिंद, ये दुनिया को आजाद करेगा ।
झंडा ऊँचा सदा रहेगा ।।

(1) उचित जोडियाँ मिलाइए। (2)

'अ' गट		'ब' गट
(i)	केसरिया	रंग
(i)	सादा	अंगडाई
(i)	हरा	बल
(i)	धरती	सच्चाई

(2) 'भारत का तिरंगा झंडा' इस विषय पर अपने विचार लिखिए। (2)

विभाग 3 : व्याकरण

3. : निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए:

(1) निम्नलिखित शब्द मानक वर्तनी के अनुसार लिखिए। (01)

(i) स्वादयाय - ☐ (ii) परतिग्या - ☐

(2) निम्नलिखित किसी एक अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग किजिए। (01)

(i) और - (ii) धीरे - धीरे

(3) (i) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक का काल पहचानिए। (01)

(1) आकाश में तारे जगमगा रहे हैं।

(2) नौकर ने अपना काम किया।

(ii) निम्नलिखित वाक्यों में से किसी एक का काल परिवर्तन कीजिए। (01)

(1) मैं किसी अन्य की संपति नहीं चाहता। (सामान्य भविष्यकाल)

(2) बच्चे खेलते हैं। (अपूर्ण भूतकाल)

(4) निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक मुहावरें का अर्थ लिखकर उसका वाक्य में प्रयोग कीजिए। (01)

(i) पेश करना (i) घुड़क देना

अथवा

अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरें का प्रयोग कर वाक्य फिर से लिकिए। (कोई एक)

(घुलमिल जाना , पिंड छुडाना , प्राण सूख जाना)

(i) लालची लोगो से छुटकारा पाना आसान नहीं होता।

(ii) सामने शेर देखकर मैं भयभीत हो गया।

(5) कृति पूर्ण किजिए। (01)

संधि शब्द	संधि विच्छेद	संधि भेद
.....	वन + औषधि	.....
अथवा		
दुर्वल	.....	.....

(6) वाक्य के प्रकार : (01)

(i) निम्नलिखित वाक्य का अर्थ के आधार पर दी गई सूचनाओं के अनुसार परिवर्तन कीजिए।

हमारे विना देश का विकास संभव है। (प्रश्नार्थक वाक्य)

(ii) निम्नलिखित वाक्य का रचना के आधार पर भेद पहचानकर लिखिए। (कोई एक) (01)

(1) वाहर हवा चली और बूढ़ा नीम झूम उठा।

(2) डायरी का अत्यंत सामान्य और साधारण परिचय है।

विभाग 4 : उपयोजित लेखन

4. (अ) : निम्नलिखित सूचनाओं के अनुसार लेखन कीजिए : (12)

(1) पत्रलेखन : (4)

निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र लेखन कीजिए:

राहुल / रविना जाधव, 12, शिवाजी नगर, पुणे से मा. व्यवस्थापक सचिव स्पोर्ट्स, 30, चंदन नगर, नाशिक को खेल-सामग्री की माँग करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

अथवा

अनुराग छात्रावास, महात्मा गांधी मार्ग, कोल्हापूर से विजय/ विजया जोशी अपने जीवन स्वप्न का वर्णन करते हुए अपने पिताजी को (श्रीधर, 210 शाहू कॉलनी, सातरा) पत्र लिखता/लिखती है।

(2) कहानी लेखन : (04)

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर 50 से 60 शब्दों में कहानी लिखिए।

तीन मित्र - रास्ते में सोने के सिक्के - खुश होना - उनका बँटवारा - एक मित्र मिठाई लेने गाँव जाना - मिठाई में जहर मिलाना - दूसरे दोनों का उसे कुएँ में ढकेलना - मिठाई खाना - ढेर हो जाना - सीख

अथवा

गदय आकलन :

निम्नलिखित गदय परिच्छेद पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हो।

गांधीजी ने अपनी आत्मकथा को सत्य का प्रयोग कहा है। वास्तव में वे जीवनभर सत्य के प्रयोग करते रहे और सत्य ही उपासना करते रहे। सत्य की प्रेरणा उन्हें बचपन में 'सत्य हरिश्चंद्र' नाटक देखने से मिली थी। यह नाटक वे वार-वार देखना चाहते थे। किंतु देखने के लिए वार-वार कौन जाने देता? गांधी जी मन-ही-मन उस नाटक को सेकडों वार खेलते। उन्हे हरिशचंद्र ही स्वप्न रात में आए। गांधीजी अपने बचपन में ही सेवा सोचा करते थे। - हरिशचंद्र की तरह सत्यवादी सव क्यों नहीं होते?

गांधी जी में सत्य - पालन के लिए वडी विपत्तियों को सहने की इच्छा वडी प्रवल थी।

(आ) : निबंध लेखन : (04)

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 60 से 70 शब्दों में निवंध लिखिए।

(1) पेड़ की आत्मकथा

(2) मेरे सपनों का भारत

(3) भारतीय किसान